डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या (उ0प्र0)

DR. RAMMANOHAR LOHIA AVADHUNIVERSITY, AYODHYA (U.P.)

राष्ट्रीय सहारा, अयोध्या

दिनांकः 07 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 02

सड़क सुरक्षा के प्रति संचार माध्यमों की जिम्मेदारी ज्यादा

अयोध्या (एसएनबी)। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में शुक्रवार को सड़क सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की भूमिका विषयक गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में एमसीजे समन्वयक डॉ. विजयेंदु चतुर्वेदी ने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति संचार माध्यमों की जिम्मेदारी अत्यधिक बढ़ गई है। सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं का मीडिया प्रसारित एवं प्रकाशित कर आमजनमानस को काफी जागरूक करती है। फिर भी दुर्घटनाओं में कमी नहीं देखी जा रही है। सड़क सुरक्षा के नियमों की अवहेलना स्वयं के साथ अन्य के परिवारों को अपनी जान गंवानी पड़ती है। आज जरूरत है कि सड़क सुरक्षा के नियमों का कड़ाई के साथ अनुपालन हो और अन्य को भी जागरूक करने की पहल की जाये। सड़क सुरक्षा के प्रति सतर्कता बरतने के लिए शिक्षण संस्थानों, सरकारी, गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा अभियान चलाया जा रहा है।

विभाग के शिक्षक डॉ. राजनारायण पांडेय ने कहा कि सड़क सुरक्षा लोगों के जीवन से जुड़ा हुआ है। सभी को वाहन चलाते समय सतर्कता बरतनी जरूरी है। सड़क दुर्घटना के पीछे लोगों द्वारा किये गये सड़क मार्गों पर अतिक्रमण भी है। सभी को सड़क सुरक्षा के संकेतों का पालन करना चाहिए। डॉ. अनिल कुमार विश्वा ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का अनुपालन सभी की जिम्मेदारी बनती है। हिमांशी सिंह ने कहा कि युवा ओवर स्पीड वाहन न चलायें। जगन्नाथ मिश्र ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन स्वयं संकल्पित होकर करना होगा। अभिषेक दूबे ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का अनुपालन करते हुए दुर्घटना बचा जा सकता है। दीक्षा गौतम ने कहा कि वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करें। रोशनी कुमारी ने कहा कि व्यक्ति को रक्षा और सुरक्षा दोनों की आवश्यकता है। इसलिए सड़कों पर सीमित गति से वाहन चलाये। अभिषेक पांडेय ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों की लापरवाही के कारण काफी संख्या में लोग विकलांग हो जा रहे हैं। गोष्ठी में हरिकृष्ण यादव ने कहा कि सड़क सुरक्षा से जागरूक करने में मीडिया की विशेष भूमिका होती है।

सड़क सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की भूमिका विषयक गोष्ठी में शामिल शिक्षक व विद्यार्थी । फोटो : एसएनबी

पत्रकारिता के छात्र-छात्राओं ने सड़क सुरक्षा के मुद्दों पर किया मंथन

सुधांशु शुक्ला ने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति मीडिया प्रेरक है। शैलेश यादव ने कहा कि देश की सीमा पर जितने जवान शहीद नहीं होते, उससे ज्यादा सड़क दुर्घटना में जान गंवा बैठते हैं। उत्तम ओझा ने कहा कि दुर्घटना से आर्थिक नुकसान होता है। अतुल कुमार ने कहा कि सर्वेक्षण से पता चलता है कि अत्यधिक मौते सड़क हादसे की वजह से होती है। इसके लिए जनपद स्तर पर कार्यक्रम चलाकर जागरूक होना होगा। सौरभ मिश्र ने कहा कि सड़क दुर्घटना के उपरांत चिकित्स उपचार तत्काल आवश्यक है। इससे जीवन रक्षा हो जाती है।

आदर्श मिश्रा ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन युवाओं को अत्यधिक करना चाहिए। प्रगति ठाकुर ने कहा कि वाहन चलाते समय सीट बेल्ट व हेलमेट लगाना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। मनीषा ओझा ने कहा कि सड़क सुरक्षा आवश्यक उपाय है। निलेश द्विवेदी ने कहा कि सड़क दुर्घटना में हजारों लोगों की मौत रोज होती है। इसके पीछे कहीं न कहीं हम सभी जिम्मेदार हैं। अनमोल उपाध्याय ने भी विचार रखे। संचालन छात्रा तान्या सिंह ने किया। धन्यवाद ज्ञापन छात्रा प्रनीता राय ने किया।

हिन्दुस्तान, अयोध्या

दिनांकः 07 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 02 व 03

सड़क सुरक्षा के मुद्दे पर मंथन

अवध विवि

अयोध्या, संवाददाता। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में सड़क सुरक्षा माह के तहत 'सड़क सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की भूमिका' विषय पर गोष्ठी की गई। इसमें विद्यार्थियों ने सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता के मुद्दे पर मंथन किया और अपने विचार रखे।

गोष्ठी को संबोधित करते हुए एमसीजे के समन्वयक डॉ. विजयेन्दु चतुर्वेदी ने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति संचार माध्यमों की जिम्मेदारी अत्यधिक बढ़ गई है। सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं का मीडिया द्वारा प्रसारित एवं प्रकाशित की जाती है जो आमजनमानस को काफी जागरूक करती है। उन्होंने बताया कि सड़क सुरक्षा के नियमों की अवहेलना स्वयं के साथ अन्य के परिवारों को अपनी जान गंवानी पड़ती है। इसलिए सड़क सुरक्षा के नियमों का कड़ाई के साथ अनुपालन हो। शिक्षक डॉ. राजनारायण पाण्डेय ने कहा कि सड़क सुरक्षा लोगों के जीवन से जुड़ा हुआ है। सभी को वाहन चलाते समय सतर्कता बरतनी जरूरी है। डॉ. अनिल कुमार विश्वा ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का अनुपालन करना सभी की जिम्मेदारी बनती है। संचार माध्यमों द्वारा सुरक्षा के प्रति लोगों को निरंतर जागरूक किया जाता रहा है। छात्रा हिमांशी सिंह ने कहा कि युवा ओवर स्पीड वाहन न चलाएं। जगनाथ मिश्र ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन स्वयं संकल्पित होकर करना होगा। अभिषेक दूबे ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का अनुपालन करते हुए दुर्घटना से बचा जा सकता है।

दीक्षा गौतम ने कहा कि वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करें। रोशनी कुमारी ने कहा कि सड़कों पर सीमित गति से वाहन चलाएं। अभिषेक पाण्डेय ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों की लापरवाही के कारण काफी संख्या में लोग विकलांग हो जा रहे है।

कुलपति व शिक्षकों ने किया योगाभ्यास

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के योगिक विज्ञान की ओर से योगाभ्यास कार्यक्रम में योगाचार्य आलोक तिवारी ने योग कराया गया। इसमें कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल सहित शिक्षक व अधिकारियों ने हिस्सा लिया। अवध विश्वविद्यालय की ओर से नववर्ष पर वर्चुअल योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया जारहा है। जिसके तहत योगाचार्य तिवारी ने शुक्रवार को भस्तिका, अनुलोम-विलोम, कपाल भाति कराया।

अमर उजाला माईसिटी, अयोध्या

दिनांकः 07 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 03

सड़क सुरक्षा के प्रति बढ़ी जिम्मेदारी

अवध विश्वविद्यालय में संचार माध्यमों की भूमिका पर गोष्ठी

संवाद न्यूज एजेंसी

अयोध्या। सड़क सुरक्षा के प्रति संचार माध्यमों की जिम्मेदारी अत्यधिक बढ़ गई है। सड़क पर होने वाली दुर्घटनाएं मीडिया द्वारा प्रसारित व प्रकाशित की जाती हैं। जो आम जनमानस को काफी जागरूक करती हैं। इसके बावजूद दुर्घटनाओं में कमी नहीं देखी जा रही है। यह बातें अवध विश्वविद्यालय के एमसीजे के समन्वयक डॉ. विजयेंदु चतुर्वेदी ने कहीं।

वह शुक्रवार को जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में सड़क सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की भूमिका विषय पर आयोजित एक गोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। विभाग के शिक्षक डॉ. राजनारायण पांडेय ने कहा कि सभी

अवध विवि में आयोजित गोष्ठी में मौजूद डॉ.विजयेन्दु चतुर्वेदी व अन्य। -संवाद

को वाहन चलाते समय सतर्कता बरतनी जरूरी है। डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का अनुपालन करना सभी की जिम्मेदारी बनती है।

यातायात नियमों का पालन करने की अपील : एमसीजे विभाग की छात्रा हिमांशी सिंह ने कहा कि युवा ओवर स्पीड वाहन न चलाएं। जगनाथ मिश्र ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन स्वयं संकल्पित होकर करना होगा। अभिषेक दूबे ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का अनुपालन करते हुए दुर्घटना से बचा जा सकता है। दीक्षा गौतम ने कहा कि वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करें। रोशनी कुमारी ने कहा कि सड़क पर सीमित गति से वाहन चलाएं।

अभिषेक पांडेय, हरिकृष्ण यादव व सुधांशु शुक्ला ने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति मीडिया प्रेरक है। शैलेश यादव ने कहा कि देश की सीमा पर जितने जवान शहीद नहीं होते हैं उससे ज्यादा सड़क दुर्घटना में जान गवा बैठते हैं। उत्तम ओझा व अतुल कुमार ने कहा कि जनपद स्तर पर कार्यक्रम चलाकर लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक होना होगा। अन्य छात्रों ने भी यातायात नियमों का पालन करने की अपील की।

पायनियर, अयोध्या

दिनांकः 07 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 07

विवि में सड़क सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की भूमिका पर गोष्ठी का आयोजन

● पत्रकारिता के छात्र व छात्राओं ने सड़क सुरक्षा के मुद्दों पर किया मंथन

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विवि के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में शुक्रवार को सड़क सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की भूमिका विषय पर एक गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी को संबोधित करते हुए एमसीजे समन्वयक डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति संचार माध्यमों की जिम्मेदारी अत्यधिक बढ़ गई है। सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं का मीडिया द्वारा प्रसारित एवं प्रकाशित की जाती है जो आमजनमानस को काफी जागरूक करती है। दुर्घटनाओं में कमी नही देखी जा रही है। डॉ0 चतुर्वेदी ने बताया कि सड़क सुरक्षा के नियमों की अवहेलना स्वयं के साथ अन्य के परिवारों को अपनी जान गवानी पड़ती है। आज जरूरत है कि सड़क सुरक्षा के नियमों का कड़ाई के साथ अनुपालन हो और अन्य को भी जागरूक करने की पहल की जाये। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा सड़क सुरक्षा के प्रति सतर्कता बरतने के लिए समय= पर शिक्षण संस्थानों सहित कई सरकारीए गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। मीडिया द्वारा चलाई जा रही मुहिम का लोगों के बीच व्यापक असर पड़ रहा है।

विभाग के शिक्षक डॉ0 राजनारायण पाण्डेय ने कहा कि सड़क सुरक्षा लोगों के जीवन से जुड़ा हुआ है। सभी को वाहन चलाते समय सतर्कता बरतनी जरूरी है। उन्होंने सड़क दुर्घटना के कई कारणों को गिनाते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना के पीछे लोगों द्वारा किए गए सड़क मार्गों पर अतिक्रमण भी है। इसें रोकने के लिए पत्रकारों द्वारा कवरेज की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। सभी को सड़क सुरक्षा के संकेतों का पालन करना चाहिए।

जनमोर्चा, अयोध्या

दिनांक: 07 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्या: 08

'सड़क सुरक्षा में संचार माध्यमों की भूमिका बढ़ी'

विवि में सड़क सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की भूमिका पर गोष्ठी का आयोजन

अयोध्या।

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में शुक्रवार को सड़क सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की भूमिका विषय पर एक गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी को संबोधित करते हुए एमसीजे समन्वयक डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति संचार माध्यमों की जिम्मेदारी अत्यधिक बढ़ गई है।

सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं का मीडिया द्वारा प्रसारित एवं प्रकाशित की जाती है जो आमजनमानस को काफी जागरूक करती है। इसके बावजूद दुर्घटनाओं में कमी नहीं देखी जा रही है। डॉ. चतुर्वेदी ने बताया कि सड़क सुरक्षा के नियमों की अवहेलना स्वयं के साथ अन्य के परिवारों को अपनी जान गवानी पड़ती है। आज जरूरत है कि सड़क सुरक्षा के नियमों का कड़ाई के साथ अनुपालन हो और अन्य को भी जागरूक करने की पहल की जाये।

विभाग के शिक्षक डॉ. राजनारायण पाण्डेय ने कहा कि सड़क सुरक्षा लोगों के जीवन से जुड़ा हुआ है। सभी को वाहन चलाते समय सतर्कता बरतनी जरूरी है। उन्होंने सड़क दुर्घटना के कई कारणों को गिनाते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना के पीछे लोगों द्वारा किए गए सड़क मार्गों पर अतिक्रमण भी है। इसे रोकने के लिए पत्रकारों द्वारा कवरेज की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। सभी को सड़क सुरक्षा के संकेतों का पालन करना चाहिए। इसके साथ ही अवैध ड्राइविंग लाइसेंस पर लगाम लगाना चाहिए। तभी होने वाली दुर्घटनाओं पर नियंत्रण पाया जा सकता है। गोष्ठी में विभाग के डॉ0 अनिल कुमार विश्व ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का अनुपालन करना सभी की जिम्मेदारी बनती है। संचार माध्यमों द्वारा सुरक्षा के प्रति लोगों को निरंतर जागरूक किया जाता रहा है।

गोष्ठी में विभाग के छात्र-छात्राओं ने भी अपने विचार बढ़चढ़ कर रखे। हिमांशी सिंह ने कहा कि युवा ओवर स्पीड वाहन न चलाये। जगन्नाथ मिश्र ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन स्वयं संकल्पित होकर करना होगा। अभिषेक दूबे ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का अनुपालन करते हुए दुर्घटना से बचा जा सकता है। दीक्षा गौतम ने कहा कि वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करें। रोशनी कुमारी ने कहा कि व्यक्ति को रक्षा और सुरक्षा दोनों की आवश्यकता है। अभिषेक पाण्डेय ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों की लापरवाही के कारण काफी संख्या में लोग विकलांग हो जा रहे हैं। गोष्ठी में हरिकृष्ण यादव ने कहा कि सड़क सुरक्षा से जागरूक करने में मीडिया की विशेष भूमिका होती है। सुधांशु शुक्ला ने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति मीडिया प्रेरक है। शैलेश यादव ने कहा कि देश की सीमा पर जितने जवान शहीद नही होते है उससे ज्यादा सड़क दुर्घटना में जान गवा बैठते है। उत्तम ओझा ने कहा कि दुर्घटना से आर्थिक नुकसान होता है। अतुल कुमार ने कहा कि सर्वेक्षण से पता चलता है कि अत्यधिक मौते सड़क हादसे की वजह से होती है। इसके लिए जनपद स्तर पर कार्यक्रम चलाकर जागरूक होना होगा। सौरभ मिश्र ने कहा कि सड़क दुर्घटना के उपरांत चिकित्सा उपचार तत्काल आवश्यक है। इससे जीवन रक्षा हो जाती है। गोष्ठी में आदर्श मिश्रा ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन युवाओं को अत्यधिक करना चाहिए। प्रगति ठाकुर ने कहा कि वाहन चलाते समय सीट बेल्ट व हेल्मेट लगाना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। मनीषा ओझा ने कहा कि सड़क सुरक्षा आवश्यक उपाय है। निलेश द्विवेदी ने कहा कि सड़क दुर्घटना में हजारों लोगों की मौत रोज होती है। इसके पीछे कहीं न कहीं हम सभी जिम्मेदार है। गोष्ठी को अनमोल उपाध्याय ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन छात्रा तान्या सिंह द्वारा किया गया।

शांतिमोर्चा, अयोध्या

दिनांकः 07 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 03

अवध विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में सड़क सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की भूमिका पर गोष्ठी सम्पन्न

सड़क सुरक्षा के नियमों का न करें अवहेलना : डॉ. विजयेन्दु

अवैध ड्राइविंग लाइसेंस के रोक से ही होगा दुर्घटनाओं पर नियंत्रण : डॉ. राजनारायण

सड़क सुरक्षा के नियमों का अनुपालन करना सभी की जिम्मेदारी : डॉ. अनिल कुमार विश्वा

(शान्तिमोर्चा संवाद)
अयोध्या , 08 जनवरी।

डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में शुक्रवार को सड़क सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की भूमिका विषय पर एक गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी को संबोधित करते हुए एमसीजे समन्वयक डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति संचार माध्यमों की जिम्मेदारी अत्यधिक बढ़ गई है। सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं का मीडिया द्वारा प्रसारित एवं प्रकाशित की जाती है जो आमजनमानस को काफी जागरूक करती है। इसके बावजूद दुर्घटनाओं में कमी नही देखी जा रही है। डॉ0 चतुर्वेदी ने बताया कि सड़क सुरक्षा के नियमों की अवहेलना स्वयं के साथ अन्य के परिवारों को अपनी जान गवानी पड़ती है। आज जरूरत है कि सड़क सुरक्षा के नियमों का कड़ाई के साथ अनुपालन हो और अन्य को भी जागरूक करने की पहल की जाये। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा सड़क सुरक्षा के प्रति सतर्कता बरतने के लिए समयत्र पर शिक्षण संस्थानों सहित कई सरकारी, गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। मीडिया द्वारा चलाई जा रही मुहिम का लोगों के बीच व्यापक असर पड़ रहा है।

विभाग के शिक्षक डॉ0 राजनारायण पाण्डेय ने कहा कि सड़क सुरक्षा लोगों के जीवन से जुड़ा हुआ है। सभी को वाहन चलाते समय सतर्कता बरतनी जरूरी है। उन्होंने सड़क दुर्घटना के कई कारणों को गिनाते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना के पीछे लोगों द्वारा किए गए सड़क मार्गों पर अतिक्रमण भी है। इसें रोकने के लिए पत्रकारों द्वारा कवरेज की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। सभी को सड़क सुरक्षा के संकेतों का पालन करना चाहिए। इसके साथ ही अवैध ड्राइविंग लाइसेंस पर लगाम लगना चाहिए। तभी होने वाली दुर्घटनाओं पर नियंत्रण पाया जा सकता है। गोष्ठी में विभाग के डॉ0 अनिल कुमार विश्वा ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का अनुपालन करना सभी की जिम्मेदारी बनती है। संचार माध्यमों द्वारा सुरक्षा के प्रति लोगों को निरंतर जागरूक किया जाता रहा है। उन्होंने कहा कि स्वयं को सुरक्षित रखें और दूसरे को भी सुरक्षित रहने दे। क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति का जीवन अनमोल है। गोष्ठी में विभाग के छात्र–छात्राओं ने भी अपने विचार बढ़चढ़ कर रखे। हिमांशी सिंह ने कहा कि युवा ओवर स्पीड वाहन न चलाये। जग्गनाथ मिश्र ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन स्वयं संकल्पित होकर करना होगा। अभिषेक दूबे ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का अनुपालन करते हुए दुर्घटना से बचा जा सकता है। दीक्षा गौतम ने कहा कि वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करें। रोशनी कुमारी ने कहा कि व्यक्ति को रक्षा और सुरक्षा दोनों की आवश्यकता है। इसलिए सड़कों पर सीमित गति से वाहन चलाये। अभिषेक पाण्डेय ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों की लापरवाही के कारण काफी संख्या में लोग विकलांग हो जा रहे है। गोष्ठी में हरिकृष्ण यादव ने कहा कि सड़क सुरक्षा से जागरूक करने में मीडिया की विशेष भूमिका होती है। सुधांशु शुक्ला ने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति मीडिया प्रेरक है। शैलेश यादव ने कहा कि देश की सीमा पर जितने जवान शहीद नही होते है उससे ज्यादा सड़क दुर्घटना में जान गवा बैठते है। उत्तम ओझा ने कहा कि दुर्घटना से आर्थिक नुकसान होता है। अतुल कुमार ने कहा कि सर्वेक्षण से पता चलता है कि अत्यधिक मौते सड़क हादसे की वजह से होती है। इसके लिए जनपद स्तर पर कार्यक्रम चलाकर जागरूक होना होगा। सौरभ मिश्र ने कहा कि सड़क दुर्घटना के उपरांत चिकित्स उपचार तत्काल आवश्यक है। इससे जीवन रक्षा हो जाती है। गोष्ठी में आदर्श मिश्रा ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन युवाओं को अत्यधिक करना चाहिए। प्रगति ठाकुर ने कहा कि वाहन चलाते समय सीट बेल्ट व हेल्मेट लगाना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। मनीषा ओझा ने कहा कि सड़क सुरक्षा आवश्यक उपाय है। निलेश द्विवेदी ने कहा कि सड़क दुर्घटना में हजारों लोगों की मौत रोज होती है। इसके पीछे कहीं न कहीं हम सभी जिम्मेदार है। गोष्ठी को अनमोल उपाध्याय ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन छात्रा तान्या सिंह द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन छात्रा प्रनीता राय ने किया।

हिन्दमोर्चा, अयोध्या

दिनांकः 07 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 08

नियमित योग मानसिक तनाव को करता है कमः आलोक

अयोध्या (हिन्द मोर्चा सं.)। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के योगिक विज्ञान द्वारा आयोजित योगाभ्यास कार्यक्रम में योगाचार्य आलोक तिवारी द्वारा योगाभ्यास कराया गया। इसमें विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल व शिक्षक, अधिकारी शामिल रहे। विश्वविद्यालय में नूतनवर्ष के प्रथम प्रभात से आयोजित वर्चुअल योगाभ्यास कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को प्रातः सात बजे योगाचार्य द्वारा योग प्राणायाम कराया गया। उन्होंने बताया कि भस्तिका, अनुलोम-विलोम, कपाल भाति अपनी दिनचर्या में अवश्य शामिल करना चाहिए। इससे रक्त संचार एवं फेफड़े की श्वसन शक्ति का संचार होता है। उन्होंने बताया कि शरीर को स्वस्थ्य एवं सक्रिय रखने के लिए प्राणायाम जरूरी है। इससे मानसिंक तनाव कम होता है। व्यक्ति को प्रत्येक दिन 30 से 40 मिनट तक योगासन करना चाहिए। शारीरिक शिक्षा, खेल एवं योगिक विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो0 एसएस मिश्र ने बताया कि योग व्यक्ति को स्वस्थ बनाये रखने में मदद करता है। कई बीमारियों में योग करने से राहत मिलती है। इससे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता के साथ मानसिक तनाव दूर होता है। प्रो0 मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रो0 गोयल की प्रेरणा से नूतन वर्ष से ही निरन्तर योगाभ्यास चलाया जा रहा है। इसमें आवासीय शिक्षक एवं अधिकारी बढ़चढ़ कर सहभागिता दे रहे है। योगाभ्यास में कुलसचिव उमानाथ, प्रो0 नीलम पाठक, प्रो0 हिमांशु शेखर सिंह, प्रो0 शैलेन्द्र कुमार, डॉ0 पीके द्विवेदी, डॉ0 अनिल कुमार मिश्र, डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी, डॉ0 कपिल राना, योगाचाय अनुराग सोनी, गायत्री वर्मा, डॉ0 अनुराग पाण्डेय, डॉ0 दिनेश कुमार सिंह, डॉ0 अनुराग तिवारी, डॉ0 लोकेन्द्र सिंह उमराव, डॉ0 कपिदेव सहित अन्य मौजूद रहे।

हिन्दमोर्चा, अयोध्या

दिनांकः 07 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 08

विवि में सड़क सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की भूमिका पर गोष्ठी का आयोजन

हिन्द मोर्चा संवाददाता

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में शुक्रवार को सड़क सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की भूमिका विषय पर एक गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी को संबोधित करते हुए एमसीजे समन्वयक डॉ. विजयेन्दु चतुर्वेदी ने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति संचार माध्यमों की जिम्मेदारी अत्यधिक बढ़ गई है। सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं का मीडिया द्वारा प्रसारित एवं प्रकाशित की जाती है जो आमजनमानस को काफी जागरूक करती है। इसके बावजूद दुर्घटनाओं में कमी नही देखी जा रही है। डॉ० चतुर्वेदी ने बताया कि सड़क सुरक्षा के नियमों की अवहेलना स्वयं के साथ अन्य के परिवारों को अपनी जान गवानी पड़ती है। आज जरूरत है कि सड़क सुरक्षा के नियमों का कड़ाई के साथ अनुपालन हो और अन्य को भी जागरूक करने की पहल की जाये। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा सड़क सुरक्षा के प्रति सतर्कता बरतने के लिए समय-समय पर शिक्षण संस्थानों सहित कई सरकारी, गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। मीडिया द्वारा चलाई जा रही मुहिम का लोगों के बीच व्यापक असर पड़ रहा है। विभाग के शिक्षक डॉ. राजनारायण पाण्डेय ने कहा कि सड़क सुरक्षा लोगों के जीवन से जुड़ा हुआ है। सभी को वाहन चलाते समय सतर्कता बरतनी जरूरी है। उन्होंने सड़क दुर्घटना के कई कारणों को गिनाते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना के पीछे लोगों द्वारा किए गए सड़क मार्गों पर अतिक्रमण भी है। इसें रोकने के लिए पत्रकारों द्वारा कवरेज की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। सभी को सड़क सुरक्षा के संकेतों का पालन करना चाहिए। इसके साथ ही अवैध ड्राइविंग लाइसेंस पर लगाम लगना चाहिए। तभी होने वाली दुर्घटनाओं पर नियंत्रण पाया जा सकता है। गोष्ठी में विभाग के डॉ० अनिल कुमार विश्वा ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का अनुपालन करना सभी की जिम्मेदारी बनती है। संचार माध्यमों द्वारा सुरक्षा के प्रति लोगों को निरंतर जागरूक किया जाता रहा है। उन्होंने कहा कि स्वयं को सुरक्षित रखें और दूसरे को भी सुरक्षित रहने दे।

स्वतंत्र चेतना, अयोध्या

दिनांकः 07 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 04

सड़क सुरक्षा जागरूकता पर गोष्ठी का आयोजन

पत्रकारिता के छात्रों ने सड़क सुरक्षा के मुद्दों पर किया मंथन

स्वतंत्र चेतना

अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में शुक्रवार को सड़क सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की भूमिका विषय पर एक गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में एमसीजे समन्वयक ड0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति संचार माध्यमों की जिम्मेदारी अत्यधिक बढ़ गई है।

सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं का मीडिया द्वारा प्रसारित एवं प्रकाशित की जाती है जो आमजनमानस को काफी जागरूक करती है। इसके बावजूद दुर्घटनाओं में कमी नही देखी जा रही है। डॉ0 चतुर्वेदी ने बताया कि सड़क सुरक्षा के नियमों की अवहेलना स्वयं के साथ अन्य के परिवारों को अपनी जान गवानी पड़ती है। आज जरूरत है कि सड़क सुरक्षा के नियमों का

कड़ाई के साथ अनुपालन हो और अन्य को भी जागरूक करने की पहल की जाये। विभाग के शिक्षक डॉ0 राजनारायण पाण्डेय ने कहा कि सड़क सुरक्षा लोगों के जीवन से जुड़ा हुआ है। सभी को वाहन चलाते समय सतर्कता बरतनी जरूरी है। उन्होंने सड़क दुर्घटना के कई कारणों को गिनाते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना के पीछे लोगों द्वारा किए गए सड़क मार्गों पर अतिक्रमण भी है। इसें रोकने के लिए पत्रकारों द्वारा कवरेज की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। सभी को सड़क सुरक्षा के संकेतों का पालन करना चाहिए। गोष्ठी में विभाग के छात्र-छात्राओं ने भी अपने विचार बढ़चढ़ कर रखे। हिमांशी सिंह ने कहा कि युवा ओवर स्पीड वाहन न चलाये। जग्गनाथ मिश्र ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन स्वयं संकल्पित होकर करना होगा। अभिषेक दूबे ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का अनुपालन करते हुए दुर्घटना से बचा जा सकता है। दीक्षा गौतम ने कहा कि वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करें। रोशनी कुमारी ने कहा कि व्यक्ति को रक्षा और सुरक्षा दोनों की आवश्यकता है। इसलिए सड़कों पर सीमित गति से वाहन चलाये। अभिषेक पाण्डेय ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों की लापरवाही के कारण काफी संख्या में लोग विकलांग हो जा रहे है। प्रगति ठाकुर ने कहा कि वाहन चलाते समय सीट बेल्ट व हेल्मेट लगाना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। मनीषा ओझा ने कहा कि सड़क सुरक्षा आवश्यक उपाय है। कार्यक्रम का संचालन छात्रा तान्या सिंह व धन्यवाद ज्ञापन छात्रा प्रनीता राय ने किया। इस अवसर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

पावन भारत टाइम्स, अयोध्या

दिनांकः 07 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 03

नियमित योग मानसिक तनाव को करता है कम : आलोक तिवारी

विवि की कुलपति सहित शिक्षकों व अधिकारियों ने किया योगाभ्यास

पीबीटी संवाददाता

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के योगिक विज्ञान द्वारा आयोजित योगाभ्यास कार्यक्रम में योगाचार्य आलोक तिवारी द्वारा योगाभ्यास कराया गया। इसमें विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो० प्रतिभा गोयल व शिक्षक, अधिकारी शामिल रहे। विश्वविद्यालय में नूतनवर्ष के प्रथम प्रभात से आयोजित वर्चुअल योगाभ्यास कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को प्रातः सात बजे योगाचार्य द्वारा योग प्राणायाम कराया गया। उन्होंने बताया कि भस्तिका, अनुलोम-विलोम, कपाल भाति अपनी दिनचर्या में अवश्य शामिल करना चाहिए। इससे रक्त संचार एवं फेफड़े की श्वसन शक्ति का संचार होता है। उन्होंने बताया कि शरीर को स्वस्थ्य एवं सक्रिय रखने के लिए प्राणायाम जरूरी है। इससे मानसिंक तनाव कम होता है। व्यक्ति को प्रत्येक दिन 30 से 40 मिनट तक योगासन करना चाहिए। शारीरिक

शिक्षा, खेल एवं योगिक विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो० एसएस मिश्र ने बताया कि योग व्यक्ति को स्वस्थ बनाये रखने में मदद करता है। कई बीमारियों में योग करने से राहत मिलती है। इससे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता के साथ मानसिक तनाव दूर होता है। प्रो० मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रो० गोयल की प्रेरणा से नूतन वर्ष से ही निरन्तर योगाभ्यास चलाया जा रहा है। इसमें आवासीय शिक्षक एवं अधिकारी बढ़चढ़ कर सहभागिता दे रहे है।

योगाभ्यास में कुलसचिव उमानाथ, प्रो० नीलम पाठक, प्रो० हिमांशु शेखर सिंह, प्रो० शैलेन्द्र कुमार, डॉ० पीके द्विवेदी, डॉ० अनिल कुमार मिश्र, डॉ० विजयेन्दु चतुर्वेदी, डॉ० कपिल राना, योगाचाय अनुराग सोनी, गायत्री वर्मा, डॉ० अनुराग पाण्डेय, डॉ० दिनेश कुमार सिंह, डॉ० अनुराग तिवारी, डॉ० लोकेन्द्र सिंह उमराव, डॉ० कपिदेव सहित अन्य मौजूद रहे।

पावन भारत टाइम्स, अयोध्या

दिनांकः 07 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 04

सड़क सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की भूमिका पर गोष्ठी

पत्रकारिता के छात्र-छात्राओं ने सड़क सुरक्षा के मुद्दों पर किया मंथन

अवध विवि में आयोजित गोष्ठी

पीबीटी संवाददाता

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में शुक्रवार को सड़क सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की भूमिका विषय पर एक गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी को संबोधित करते हुए एमसीजे समन्वयक डॉ. विजयेन्दु चतुर्वेदी ने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति संचार माध्यमों की जिम्मेदारी अत्यधिक बढ़ गई है। सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं का मीडिया द्वारा प्रसारित एवं प्रकाशित की जाती है जो आमजनमानस को काफी जागरूक करती है। इसके बावजूद दुर्घटनाओं में कमी नही देखी जा रही है। डॉ0 चतुर्वेदी ने बताया कि सड़क सुरक्षा के नियमों की अवहेलना स्वयं के साथ अन्य के परिवारों को अपनी जान गवानी पड़ती है। आज जरूरत है कि सड़क सुरक्षा के नियमों का कड़ाई के साथ अनुपालन हो और अन्य को भी जागरूक करने की पहल की जाये। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा सड़क सुरक्षा के प्रति सतर्कता बरतने के लिए समय-समय पर शिक्षण संस्थानों सहित कई सरकारी, गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। मीडिया द्वारा चलाई जा रही मुहिम का लोगों के बीच व्यापक असर पड़ रहा है। विभाग के शिक्षक डॉ. राजनारायण पाण्डेय ने कहा कि सड़क सुरक्षा लोगों के जीवन से जुड़ा हुआ है। सभी को वाहन चलाते समय सतर्कता बरतनी जरूरी है। उन्होंने सड़क दुर्घटना के कई कारणों को गिनाते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना के पीछे लोगों द्वारा किए गए सड़क मार्गों पर अतिक्रमण भी है। इसें रोकने के लिए पत्रकारों द्वारा कवरेज की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। सभी को सड़क सुरक्षा के संकेतों का पालन करना चाहिए। इसके साथ ही अवैध ड्राइविंग लाइसेंस पर लगाम लगना चाहिए। तभी होने वाली दुर्घटनाओं पर नियंत्रण पाया जा सकता है। गोष्ठी में विभाग के डॉ0 अनिल कुमार विश्वा ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का अनुपालन करना सभी की जिम्मेदारी बनती है। संचार माध्यमों द्वारा सुरक्षा के प्रति लोगों को निरंतर जागरूक किया जाता रहा है। उन्होंने कहा कि स्वयं को सुरक्षित रखें और दूसरे को भी सुरक्षित रहने दे। क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति का जीवन अनमोल है। गोष्ठी में विभाग के छात्र-छात्राओं ने भी अपने विचार बढ़चढ़ कर रखे। हिमांशी सिंह ने कहा कि युवा ओवर स्पीड वाहन न चलाये। जगनाथ मिश्र ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन स्वयं संकल्पित होकर करना होगा। अभिषेक दूबे ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का अनुपालन करते हुए दुर्घटना से बचा जा सकता है। दीक्षा गौतम ने कहा कि वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करें। रोशनी कुमारी ने कहा कि व्यक्ति को रक्षा और सुरक्षा दोनों की आवश्यकता है। इसलिए सड़कों पर सीमित गति से वाहन चलाये। अभिषेक पाण्डेय ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों की लापरवाही के कारण काफी संख्या में लोग विकलांग हो जा रहे है। गोष्ठी में हरिकृष्ण यादव ने कहा कि सड़क सुरक्षा से जागरूक करने में मीडिया की विशेष भूमिका होती है। सुधांशु शुक्ला ने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति मीडिया प्रेरक है। शैलेश यादव ने कहा कि देश की सीमा पर जितने जवान शहीद नही होते है उससे ज्यादा सड़क दुर्घटना में जान गवा बैठते है। उत्तम ओझा ने कहा कि दुर्घटना से आर्थिक नुकसान होता है। अतुल कुमार ने कहा कि सर्वेक्षण से पता चलता है कि अत्यधिक मौते सड़क हादसे की वजह से होती है। इसके लिए जनपद स्तर पर कार्यक्रम चलाकर जागरूक होना होगा। सौरभ मिश्र ने कहा कि सड़क दुर्घटना के उपरांत चिकित्स उपचार तत्काल आवश्यक है। इससे जीवन रक्षा हो जाती है। गोष्ठी में आदर्श मिश्रा ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन युवाओं को अत्यधिक करना चाहिए। प्रगति ठाकुर ने कहा कि वाहन चलाते समय सीट बेल्ट व हेल्मेट लगाना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। मनीषा ओझा ने कहा कि सड़क सुरक्षा आवश्यक उपाय है। निलेश द्विवेदी ने कहा कि सड़क दुर्घटना में हजारों लोगों की मौत रोज होती है। इसके पीछे कहीं न कहीं हम सभी जिम्मेदार है। गोष्ठी को अनमोल उपाध्याय ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन छात्रा तान्या सिंह द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन छात्र प्रनीता राय ने किया। इस अवसर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

ो इलाज को चाहिए 36 लाख
दी 50 हजार की सहायता

इस गंभीर बीमारी के लिए उस बच्चे की जितनी मदद हो सके उसकी मदद सबको करनी चाहिए। श्री पांडे ने ईश्वर से प्रार्थना

कविता संग्रह चाक पे माटी सा मन का लोकार्पण कल

पीबीटी संवाददाता

अयोध्या। जनवादी लेखक संघ जिला कमेटी द्वारा बजीरगंज कार्यालय पर आयोजित बैठक को सम्बोधित करते हुए संगठन के सचिव डाक्टर विशाल श्रीवास्तव ने कहा कि संगठन की सदस्य गरिमा सिंह की कविता सँग्रह चाक पे माटी सा मन बहुत ही बेहतरीन सँग्रह है। युवा कवियत्री गरिमा सिंह द्वारा लिखी कविता सँग्रह का विमोचन 8 जनवरी को दोपहर 12 बजे से

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारदार उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय श्रीमान सिविल जज (जू. डि.) हवेली महोदय, फैजाबाद

मूलवाद सं.- 941/22

तारीख पेशी -01/02/2023

नसीम खां वादी बनाम अतीक खां आदि प्रतिवादी

बनाम-1- अतीक खां पुत्र बशर खान निवासी मौजा दौलतपुर पोस्ट बारुन परगना हवेली अवध तहसील सोहावल जिला अयोध्या। 2- इजहार खान पुत्र जुबेर खान निवासी मौजा दौलतपुर पोस्ट बारुन परगना हवेली अवध तहसील सोहावल जिला अयोध्या हाल निवासी विठ्ठल मन्दिर वसाहत रुम नं. 42,6/24 जेरवाई बाडीमा रोड़ शिवडी मुम्बई (महाराष्ट्र)। 3- मो. नसीम पुत्र शमीम निवासी मौजा दौलतपुर पोस्ट बारुन परगना हवेली अवध तहसील सोहावल जिला अयोध्या।

हमराह वादी... ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बातारीख 01 माह फरवरी सन् 2023 ई. वक्त वक्त 10 बजे दिन के

दैनिक जागरण, अयोध्या

दिनांकः 07 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 04

नौ तक भरे जाएंगे सेमेस्टर परीक्षा फार्म

संसू, अयोध्याः डा. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के बीए, बीएससी व बीकाम प्रथम, तृतीय सेमेस्टर व एलएलबी (त्रिवर्षीय व पंचवर्षीय) सेमेस्टर की आनलाइन परीक्षा फार्म भरने की तिथि बढ़ा दी गई है। बीए, बीएससी व बीकाम प्रथम व तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थी परीक्षा शुल्क के साथ नौ जनवरी तक फार्म भर सकेंगे। एलएलबी (त्रिवर्षीय व पंचवर्षीय) सेमेस्टर के विद्यार्थी फार्म 10 जनवरी तक भर सकेंगे। इससे पूर्व चार जनवरी तक परीक्षा फार्म भरने की तिथि तय थी। कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने छात्रहित में तिथि बढ़ाई है। बीए, बीएससी व बीकाम प्रथम व तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थी 10 जनवरी तथा एलएलबी के विद्यार्थी 11 जनवरी तक अपने महाविद्यालय में फार्म जमा कर सकेंगे। इन परीक्षा फार्मों का कालेज स्तर पर 11 जनवरी तक सत्यापन होगा। इसके साथ प्रथम सेमेस्टर में बैक पेपर व अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों को परीक्षा फार्म भरना होगा।

यातायात के नियमों की अवहेलना से दूसरों को भी खतरा

संसू, अयोध्या : डा. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में शुक्रवार को सड़क सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की भूमिका विषय पर गोष्ठी हुई। समन्वयक डा. विजयेंदु चतुर्वेदी ने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति संचार माध्यमों की जिम्मेदारी अत्यधिक बढ़ गई है। सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं को मीडिया में प्रसारित एवं प्रकाशित करने के बाद भी दुर्घटनाएं कम नहीं हो रही हैं।

डा. चतुर्वेदी ने कहा कि सड़क सुरक्षा के (यातायात) नियमों की अवहेलना से लोगों को अपनी जान गवानी पड़ती है और इसमें दूसरों की भी जान चली जाती है। डा. राजनारायण पांडेय, डा. अनिल कुमार विस्वा व अनमोल उपाध्याय ने संबोधित किया। संचालन छात्रा तान्या सिंह ने एवं धन्यवाद प्रनीता राय ने ज्ञापित किया। इस अवसर छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं।

अवध कमेंट वीक, अयोध्या

दिनांक: 07 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्या: 03

सड़क सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की भूमिका पर गोष्ठी

पत्रकारिता के छात्र-छात्राओं ने सड़क सुरक्षा के मुद्दों पर किया मंथन

अवध कमेंट वीक

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में शुक्रवार को सड़क सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की भूमिका विषय पर एक गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी को संबोधित करते हुए एमसीजे समन्वयक डॉ. विजयेन्दु चतुर्वेदी ने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति संचार माध्यमों की जिम्मेदारी अत्यधिक बढ़ गई है। सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं का मीडिया द्वारा प्रसारित एवं प्रकाशित की जाती है जो आमजनमानस को काफी जागरूक करती है। इसके बावजूद दुर्घटनाओं में कमी नही देखी जा रही है। डॉ0 चतुर्वेदी ने बताया कि सड़क सुरक्षा के नियमों की अवहेलना स्वयं के साथ अन्य के परिवारों को अपनी जान गवानी पड़ती है। आज जरूरत है कि सड़क सुरक्षा के नियमों का कड़ाई के साथ अनुपालन हो और अन्य को भी जागरूक करने की पहल की जाये। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा सड़क सुरक्षा के प्रति सतर्कता बरतने के लिए समय-समय पर शिक्षण संस्थानों सहित कई सरकारी, गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। मीडिया द्वारा चलाई जा रही मुहिम का लोगों के बीच व्यापक असर पड़ रहा है। विभाग के शिक्षक डॉ. राजनारायण पाण्डेय ने कहा कि सड़क सुरक्षा लोगों के जीवन से जुड़ा हुआ है। सभी को वाहन चलाते समय सतर्कता बरतनी जरूरी है। उन्होंने सड़क दुर्घटना के कई कारणों को गिनाते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना के पीछे लोगों द्वारा किए गए सड़क मार्गों पर अतिक्रमण भी है। इसें रोकने के लिए पत्रकारों द्वारा कवरेज की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। सभी को सड़क सुरक्षा के संकेतों का पालन करना चाहिए। इसके साथ ही अवैध ड्राइविंग लाइसेंस पर

अवध विवि में आयोजित गोष्ठी

लगाम लगना चाहिए। तभी होने वाली दुर्घटनाओं पर नियंत्रण पाया जा सकता है। गोष्ठी में विभाग के डॉ0 अनिल कुमार विश्वा ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का अनुपालन करना सभी की जिम्मेदारी बनती है। संचार माध्यमों द्वारा सुरक्षा के प्रति लोगों को निरंतर जागरूक किया जाता रहा है। उन्होंने कहा कि स्वयं को सुरक्षित रखें और दूसरे को भी सुरक्षित रहने दे। क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति का जीवन अनमोल है। गोष्ठी में विभाग के छात्र-छात्राओं ने भी अपने विचार बढ़चढ़ कर रखे। हिमांशी सिंह ने कहा कि युवा ओवर स्पीड वाहन न चलाये। जग्गनाथ मिश्र ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन स्वयं संकल्पित होकर करना होगा। अभिषेक दूबे ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का अनुपालन करते हुए दुर्घटना से बचा जा सकता है। दीक्षा गौतम ने कहा कि वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करें। रोशनी कुमारी ने कहा कि व्यक्ति को रक्षा और सुरक्षा दोनों की आवश्यकता है। इसलिए सड़कों पर सीमित गति से वाहन चलाये। अभिषेक पाण्डेय ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों की लापरवाही के कारण काफी संख्या में लोग विकलांग हो जा रहे है। गोष्ठी में हरिकृष्ण यादव ने कहा कि सड़क सुरक्षा से जागरूक करने में मीडिया की विशेष भूमिका होती है। सुधांशु शुक्ला ने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति मीडिया प्रेरक है। शैलेश यादव ने कहा कि देश की सीमा पर जितने जवान शहीद नही होते है उससे ज्यादा सड़क दुर्घटना में जान गवा बैठते है। उत्तम ओझा ने कहा कि दुर्घटना से आर्थिक नुकसान होता है। अतुल कुमार ने कहा कि सर्वेक्षण से पता चलता है कि अत्यधिक मौते सड़क हादसे की वजह से होती है। इसके लिए जनपद स्तर पर कार्यक्रम चलाकर जागरूक होना होगा। सौरभ मिश्र ने कहा कि सड़क दुर्घटना के उपरांत चिकित्स उपचार तत्काल आवश्यक है। इससे जीवन रक्षा हो जाती है। गोष्ठी में आदर्श मिश्रा ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन युवाओं को अत्यधिक करना चाहिए। प्रगति ठाकुर ने कहा कि वाहन चलाते समय सीट बेल्ट व हेल्मेट लगाना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। मनीषा ओझा ने कहा कि सड़क सुरक्षा आवश्यक उपाय है। निलेश द्विवेदी ने कहा कि सड़क दुर्घटना में हजारों लोगों की मौत रोज होती है। इसके पीछे कहीं न कहीं हम सभी जिम्मेदार है। गोष्ठी को अनमोल उपाध्याय ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन छात्रा तान्या सिंह द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन छात्र प्रनीता राय ने किया। इस अवसर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कुटुंब जागरण, अयोध्या

दिनांकः 07 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 02

विवि में सड़क सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की भूमिका पर गोष्ठी का आयोजन

कुटुम्ब जागरण ब्यूरो

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में शुक्रवार को सड़क सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की भूमिका विषय पर एक गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी को संबोधित करते हुए एमसीजे समन्वयक डा0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति संचार माध्यमों की जिम्मेदारी अत्यधिक बढ़ गई है। सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं का मीडिया द्वारा प्रसारित एवं प्रकाशित की जाती है जो आमजनमानस को काफी जागरूक करती है। इसके बावजूद दुर्घटनाओं में कमी नही देखी जा रही है। डॉ0 चतुर्वेदी ने बताया कि सड़क सुरक्षा के नियमों की अवहेलना स्वयं के साथ अन्य के परिवारों को अपनी जान गवानी पड़ती है। आज जरूरत है कि सड़क सुरक्षा के नियमों का कड़ाई के साथ अनुपालन हो और अन्य को भी जागरूक करने की पहल की जाये। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा सड़क सुरक्षा के प्रति सतर्कता बरतने के लिए समयत्र पर शिक्षण संस्थानों सहित कई सरकारी, गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। मीडिया द्वारा चलाई जा रही मुहिम का लोगों के बीच व्यापक असर पड़ रहा है। विभाग के शिक्षक डॉ0 राजनारायण पाण्डेय ने कहा कि सड़क सुरक्षा लोगों के जीवन से जुड़ा हुआ है। सभी को वाहन चलाते समय सतर्कता बरतनी जरूरी है। उन्होंने सड़क दुर्घटना के कई कारणों को गिनाते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना के पीछे लोगों द्वारा किए गए सड़क मार्गों पर

अतिक्रमण भी है। इसें रोकने के लिए पत्रकारों द्वारा कवरेज की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। सभी को सड़क सुरक्षा के संकेतों का पालन करना चाहिए। इसके साथ ही अवैध ड्राइविंग लाइसेंस पर लगाम लगना चाहिए। तभी होने वाली दुर्घटनाओं पर नियंत्रण पाया जा सकता है। गोष्ठी में विभाग के डॉ0 अनिल कुमार विश्वा ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का अनुपालन करना सभी की जिम्मेदारी बनती है। संचार माध्यमों द्वारा सुरक्षा के प्रति लोगों को निरंतर जागरूक किया जाता रहा है। उन्होंने कहा कि स्वयं को सुरक्षित रखें और दूसरे को भी सुरक्षित रहने दे। क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति का जीवन अनमोल है। गोष्ठी में विभाग के छात्र-छात्राओं ने भी अपने विचार बढ़चढ़ कर रखे। हिमांशी सिंह ने कहा कि युवा ओवर स्पीड वाहन न चलाये। जग्गनाथ मिश्र ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन स्वयं संकल्पित होकर करना होगा। अभिषेक दूबे ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का अनुपालन करते हुए दुर्घटना से बचा जा सकता है। दीक्षा गौतम ने कहा कि वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करें। रोशनी कुमारी ने कहा कि व्यक्ति को रक्षा और सुरक्षा दोनों की आवश्यकता है। इसलिए सड़कों पर सीमित गति से वाहन चलाये। अभिषेक पाण्डेय ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों की लापरवाही के कारण काफी संख्या में लोग विकलांग हो जा रहे है। गोष्ठी में हरि ण्ण यादव ने कहा कि सड़क सुरक्षा से जागरूक करने में मीडिया की विशेष भूमिका होती है। सुधांशु शुक्ला ने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति मीडिया प्रेरक है। शैलेश यादव ने कहा कि देश की सीमा पर जितने जवान शहीद नही होते है उससे ज्यादा सड़क दुर्घटना में जान गवा बैठते है। उत्तम ओझा ने कहा कि दुर्घटना से आर्थिक नुकसान होता है। अतुल कुमार ने कहा कि सर्वेक्षण से पता चलता है कि अत्यधिक मौते सड़क हादसे की वजह से होती है। इसके लिए जनपद स्तर पर कार्यक्रम चलाकर जागरूक होना होगा। सौरभ मिश्र ने कहा कि सड़क दुर्घटना के उपरांत चिकित्स उपचार तत्काल आवश्यक है। इससे जीवन रक्षा हो जाती है। गोष्ठी में आदर्श मिश्रा ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन युवाओं को अत्यधिक करना चाहिए। प्रगति ठाकुर ने कहा कि वाहन चलाते समय सीट बेल्ट व हेल्मेट लगाना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। मनीषा ओझा ने कहा कि सड़क सुरक्षा आवश्यक उपाय है। निलेश द्विवेदी ने कहा कि सड़क दुर्घटना में हजारों लोगों की मौत रोज होती है। इसके पीछे कहीं न कहीं हम सभी जिम्मेदार है। गोष्ठी को अनमोल उपाध्याय ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन छात्रा तान्या सिंह द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन छात्रा प्रनीता राय ने किया। इस अवसर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

अमृत विचार, अयोध्या

दिनांकः 07 जनवरी, 2023 पृष्ठ संख्याः 03

सार-संक्षेप

सड़क सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की भूमिका पर गोष्ठी

अमृत विचार, अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में शुक्रवार को सड़क सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की भूमिका विषय पर एक गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी को संबोधित करते हुए एमसीजे समन्वयक डॉ. विजयेन्दु चतुवेर्दी ने कहा कि आज जरूरत है कि सड़क सुरक्षा के नियमों का कड़ाई के साथ अनुपालन हो और अन्य को भी जागरूक करने की पहल की जाये। मीडिया द्वारा चलाई जा रही मुहिम का लोगों के बीच व्यापक असर पड़ रहा है। शिक्षक डॉ. राजनारायण पांडेय ने कहा कि सड़क सुरक्षा लोगों के जीवन से जुड़ा हुआ है। सभी को वाहन चलाते समय सतर्कता बरतनी जरूरी है। छात्र-छात्राओं ने भी अपने विचार रखे। हिमांशी सिंह, जग्गनाथ मिश्र, दीक्षा गौतम, रोशनी कुमारी, अभिषेक पांडेय, सुधांशु शुक्ला ने भी अपने विचार रखे।